शिक्षित बकारों को प्रशिक्षण

*१६०. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या श्रम तथा सेवा नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देहली के पूसा स्थित शिल्पीय प्रशिक्षण कन्द्र म शिक्षित बकारों को सहायता दने क लिये चलाई गई योजना की मख्य बात क्या हैं ;

(ख) क्या दश म इसी प्रकार के अन्य केन्द्र खोले जायगे; यदि हां, तो कितने और किन-किन स्थानों पर, और उनम कितने व्यक्ति प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे; और

(ग) प्रशिक्षण के उपरान्त प्रशिक्षार्थियों को अपना कार्य चलाने क लिये क्या सरकार सहायता भी देगी ?

†[TRAINING TO EDUCATED UNEMPLOYED

*160. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for LABOUR AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) what are the main features of the scheme started to help the educated unemployed at the Technical Training Centre at Pusa in Delhi;

(b) whether other similar centres will be opened in the country; if so, how many and at which places, and how many persons will be able to get training in them; and

(c) whether Government will also help the trainees in starting their work after training?]

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) और (ख). विवरण सभा की मेज़ पर रख दिया गया है ।

(ग) जी हां।

†English translation.

विवरण

कार्य और पूर्वाभ्यास केन्द्र योजना

(क) कार्य और पूर्वाभ्यास (वर्क एण्ड ओरियण्टेशन) केन्द्र चलाने के लिए बनी योजना का लक्ष्य शिक्षित बेकारों की व्यावसायिक योग्यता बढ़ाना है, जिससे वे "सफेद पोश" नौकरियों के अलावा व्यवसाय के अन्य क्षेत्रों में प्राप्य नियोजन अवसरों के योग्य बन सकें । इन केन्द्रों म मिलने वाला पूर्वाभ्यास और अनुदेश इस तरीके से तय किया गया है, जिससे प्रशिक्षणार्थी की नियोजन क्षमता और आत्म-निर्भरता की वृद्धि हो। केन्द्रों मे प्रशिक्षणार्थियों को:—

(१) व्यावसायिक मार्गदर्शन;

(२) उन कामों का पूर्वाभ्यास, जिनमें काम करने के लिए कामगरों की देशव्यापी कमी है;

(३) छोटे-छोटे धन्धों मे पूंजी लगाकर अपना काम करने के सम्बन्ध म अनुदेश और मार्ग दर्शन की सुविधायें मिलती हैं । ये अनुदश नागरिकता सहकारिता के सिद्धान्त व्यवसाय प्रबन्ध, सामुदायिक सगठन, पंचवर्षीय योजना इत्यादि के प्रशिक्षण के सम्बन्ध में होंगे ।

शारीरिक प्रशिक्षण और श्रम नित्य के कार्यक्रम का एक अग है । केन्द्र में छोटे दर्जे की मिस्त्रीगीरी, बढ़ईगीरी, मकानों में बिजली के तार लगाना, गृहस्थी के सामान की मरम्मत और सफाई, इमारत बनाना आदि सिखाया जायेगा । केन्द्र मे इन व्यवसायों का सैद्धान्तिक और व्यावहारिक, दोनों तरह का, प्रशिक्षण दिया जाता है

प्रशिक्षण अवधि ६ मास है । प्रशिक्षणार्थी खेमों म सामूहिक रूप से रहते हैं ।

(ख) इसी प्रकार का एक दूसरा कन्द्र कालामस्सेरी, केरल राज्य, में चालू कर दिया

गया है और तीसरा केन्द्र पश्चिम बग ल मे खोलन का विचार है। ऐसे प्रत्येक केन्द्र म २५० प्रशिक्षणार्थी काम सीख सकगे। अनुभव पाने के लिए बने इन कार्य और पूर्वाभ्यास केन्द्रों के चलाने म मली सफलता के आधार पर ही अन्य स्थानों पर इस तरह के केन्द्र खोलने क बारे मे विचार किया जायेगा।

†[THE DEPUTY MINISTER FOR LABOUR (SHRI ABID ALI): (a) and (b). A statement is placed on the Table of the Sabha.

(c) Yes.

STATEMENT

Scheme of Work and Orientation Centre

(a) The object of the scheme of Work and Orientation Centre is to assist educated unemployed persons to equip themselves to take advantage of avenues of employment other than white-collar jobs. The orientation and instruction provided at the Centre is designed to increase their employability and capacity for self-employment.

At the Centre the trainees will receive—

(i) Vocational Counselling;

(ii) Some orientation in occupations in which shortages are known to exist in the country; and

(iii) Guidance and instruction regarding self-employment as small enterpreneurs. The course of instruction will include training in citizenship, principles of cooperation business management, community organisation, Five Year Plan, etc.

Physical training and manual work form part of the daily routine. The trades in which instruction is imparted include light mechanics, woodwork, housewiring, maintenance and servicing of household appliances and *building construction*. Instruction is given both in the theory and practice of the trade.

The period of training is 6 months. The trainees live in camp as one community.

(b) Another Centre has been opened at Kalamasseri in Kerala and a third Centre is proposed to be opened in West Bengal. At each Centre 250 persons will receive orientation at the same time. The opening of more Centres will depend on the success achieved at these Work and Orientation Centres which have been started on a pilot basis.]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या यह योजना स्थायी है या अस्थायी है ?

श्री आबिद अली : अभी तो इस वक्त जो योजना है वह पांच वर्षों की है, आगे कब तक चलेगी यह नहीं कहा जा सकता।

श्री नवाब सिंह चौहान : पांच वर्षों में कितने ऐसे केन्द्र प्रति वर्ष खोले जायगे ?

श्री आबिद अली : इस समय जो कैम्प चल रहे हैं, अभी उनमे ५०० हैं, दूसरे जो कैम्प खोले जायगे उनम भी ५०० रहगे और उसके बाद १०,००० आदमी और सिखाये जायेंगे।

श्री नवाब सिंह चौहान : इनम जो लोग भर्ती किये जाते हैं उनकी क्वालिफिकेशंस क्या होती है ? क्या उनको कोई मदद सरकार की तरफ से दी जाती है, और यदि दी जाती है तो कितनी ?

श्री आबिद अली : छः महीने उनको सिखलाया जाता है। इस दौरान सब खर्चा सरकार की तरफ से होता है। योग्यता उनकी मैट्रिक के आसपास है।

†English translation.

श्री पी० एन० राजभोज : मैं यह जानना चाहता हूं कि स योजना से कितने लोगों को नौकरी अथवा धंधा मिलेगा ?

श्री आबिद अली : मैं पहले अर्ज किया कि उम्मीद है कि १०,००० आदमी काम सीखेंगे। अभी यह काम शुरू किया गया है और जितना-जितना यह बढ़ता जायगा उतने ही ज्यादा पढ़े-लिखे नौजवान इस काम में लगेंगे, ऐसी उम्मीद की जाती है।

DR. P. C. MITRA: What are the trades in which training is being given, for how many trades training is given, and what is the duration of the training period?

श्री आबिद अली : अच्छा तो यह होगा कि जो हमारे सदस्य इस काम को अच्छी तरह समझना चाहते हैं वे यहां से बहुत नजदीक पूसा इंस्टीट्यूट में जाकर देख सकते हैं। इससे वे भी समझ जायेंगे कि क्या क्या सिखाया जाता है और सीखने और सिखाने वालों का भी होसला बढ़ेगा।

DR. P. C. MITRA: What are the subjects?

SHRI GULZARILAL NANDA: Wood-work, house wiring, maintenance and servicing of household electric appliances, building construction, light mechanics, repairs, etc.

BISCUIT INDUSTRY IN INDIA

*161. SHRI MAHESWAR NAIK: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the present position in the country in regard to the requirements of consumption and export of biscuits manufactured in India as compared to the productive capacity of the industry; and

(b) the extent to which this industry is capable of standing foreign competition?

THE MINISTER FOR INDUSTRY (SHRI MANUBHAI SHAH):

	Per year (Tons)
Installed production capacity in the organised sector.	35,700
Actual production in organised units during 1856.	12,500
Actual production in small units.	Not known
Consumption . .	No reliable estimate is available It is, however, certain that the consumption exceeds the output of the organised units.

(b) In view of the prohibition of imports, there is no question of foreign competition in the internal market. Indian biscuits do not, however, yet withstand competition of other countries, in foreign markets, and as such there have not been any sizable exports.

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know whether it is not a fact that Indian biscuit manufacturers represented to Government asking the banning of imports of biscuits?

SHRI MANUBHAI SHAH: As I said, imports are totally banned during the last six monthly period—from January to June.

SHRI MAHESWAR NAIK: May I know whether quality biscuits made in India compare favourably with imported biscuits?

SHRI MANUBHAI SHAH: Very much so.

SHRI SONUSING DHANSING PATIL: What are the materials used in making biscuits?

SHRI MANUBHAI SHAH: They are all obvious things—wheat flour, cream, butter, vitamins, various types of essences, sugar, etc.